

प्रेस विज्ञप्ति

जयपुर मेट्रो में कुल 25 लाख यात्रियों ने सफर का आनन्द उठाया

03 अगस्त, 2015 जयपुर। जयपुर मेट्रो ने अपने संचालन के दो माह पूरे कर लिये हैं और इस अवधि में लगभग 25 लाख यात्रियों ने जयपुर मेट्रो में सफर करने का आनन्द उठाया। दिल्ली मेट्रो से तुलना करने पर यह फिगर संतोषजनक पाया गया है।

यह जानकारी सोमवार को जयपुर मेट्रो के सीएमडी श्री निहाल चन्द गोयल ने पत्रकारों को देते हुए बताया कि जयपुर मेट्रो ने अपने संचालन के दो माह सफलतापूर्वक पूरे कर लिये हैं और इस अवधि में इसके संचालन में किसी तरह का कोई व्यवधान नहीं आया है। उन्होंने बताया कि मेट्रो के संचालन में सभी तरह की सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए इसका संचालन किया जा रहा है।

श्री गोयल ने बताया कि मेट्रो में यात्रा करने के लिये यात्रियों ने स्मार्ट खरीदने के लिये रुचि दिखाना शुरू कर दिया है और इस अवधि में कार्ड की बिक्री में भी वृद्धि हुई है। इस अवधि में कुल 27 हजार से अधिक स्मार्ट कार्ड की बिक्री हुई है।

श्री गोयल ने बताया कि फीडर सेवायें अगले तीन माह में पूरी तरह शुरू कर दी जायेगी। हालांकि इसमें वृद्धि हुई है और सितम्बर माह में इसके लिये पूरी तरह से टेण्डर भी जारी किये जाएंगे। साथ ही सिंधी कैम्प मेट्रो स्टेशन पर भी पार्किंग शुरू कर दिया जाएगा, जिससे पार्किंग के लिये आने वाली समस्या से पूरी तरह राहत मिल सकेगी।

श्री गोयल ने बताया कि मेट्रो के सुचारु रूप से संचालन के लिये जेएमआरसी प्रशासन द्वारा इसकी व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार करते रहेंगे, जिससे कि इसकी लोकप्रियता में और वृद्धि हो। उन्होंने बताया कि पहले 2 माह में जेएमआरसी को कुल 2 करोड 91 लाख की आय हुई, इसमें पहले माह जून में 1 करोड 84 लाख और दूसरे माह जुलाई में 1 करोड 7 लाख की आय दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि मेट्रो रेल सेपटी कमिश्नर 5 एवं 6 अगस्त को आएंगे और मेट्रो रेल के संचालन का निरीक्षण करेंगे।

श्री गोयल ने बताया कि गत 4 मई को छोटी पर मेट्रो के निर्माण कार्य के दौरान एक क्रेन का बूम गिर गया था, जिससे हैरिटेज प्रोपर्टी को कुछ नुकसान हुआ था। बाद में

इस लापरवाही की जांच के लिये एक कमेटी बनाई गई और कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर गलती करने वालों पर कार्रवाई की गई है।

श्री गोयल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस क्रेन की कुल वजन उठाने की क्षमता 17.78 था और संबंधित इंजीनियर द्वारा इस क्रेन की वजन उठाने की क्षमता 23 टन निर्धारित किया गया और कुल 19 टन वजन उठाया गया, जिससे यह हादसा घटित हुआ। इस लापरवाही के लिये मुख्य रूप से इंजीनियर गौरव उपाध्याय को मेट्रो के कार्य से हटा दिया गया है और ठेकेदार पर 50 हजार का जुर्माना लगाया गया। साथ ही उस क्रेन को मेट्रो निर्माण कार्य से हटा दिया गया है।

श्री गोयल ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि मेट्रो फेज 2 के निर्माण के लिये कई कम्पनियां रुचि दिखा रही है, जिनमें अमेरिका, चाइना, मलेशिया, कोरिया व सिंगापुर की कम्पनियां शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इसे देखते हुए यह कहा जा सकता है कि विदेशी कम्पनियां भी जयपुर मेट्रो में रुचि दिखा रही है। इस मौके पर जयपुर मेट्रो के परियोजना निदेशक श्री अश्विनी सक्सेना, परिचालन निदेशक श्री सी.एस. जीनगर सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

जनसम्पर्क अधिकारी